इंदिरा किसान मितान

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
कृषि विज्ञान केन्द्र, जगदलपुर, बस्तर - 494005(छ.ग.)

भा. कृ.अनु.प.
ICAR

वर्ष-2, अंक- 8/4 | त्रैमासिक पत्रिका | जनवरी से मार्च 2010

केन्द्र की उपलब्धियाँ

माननीय मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह द्वारा रंजीत को प्रशस्ति पत्र

माननीय मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, छ.ग. शासन के हाथों 26 जनवरी, 2010 को कलेक्टर बस्तर द्वारा रंजीत सिंह राजपूत, प्रक्षेत्र प्रबंधक को कृषि विस्तार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिये प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया ।

डॉ. बी.एस. आसाटी को यंग सांइटिस्ट अवार्ड

केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. बी.एस. असाटी को उद्यानिकी क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए वर्ष 2009–10 का यंग साइंटिस्ट ऐसोसियेट अवार्ड द्वादश अखिल भारतीय कृषि वैज्ञानिक एवं कृषक सम्मेलन में बायोवेद कृषि अनुसंधान एवं शोध संस्थान इलाहाबाद द्वारा दिनॉक 20 फरवरी 2010 को दिया गया ।

मिर्च के प्रमुख रोग-

आर्द्रगलन : यह रोग फफूंदी द्वारा पौधशाला में उत्पन्न होता है ।

नियंत्रण के उपाय:- बीज को बुवाई से पहले बाविस्टीन या केप्टान दवा 3 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें । पौधशाला में बीज बुवाई से पहले बाविस्टीन या केप्टान दवा 4–5 ग्राम प्रति वर्गमीटर की दर से भूमि को उपचारित करें।

मूलग्रंथि :- यह रोग सूत्रकृमि द्वारा उत्पन्न होता है इसके प्रकोप से पौधों की जड़ों में गाठें बन जाती है और पौधे पीले होने से फसल की वृद्धि रूकजाती है ।

नियंत्रण के उपाय:- पौधशाला में बीज बुवाई से पहले 3 ग्राम फोरेट 10 जी या कार्बोफ्यूरान 3 जी कण 8–10 ग्राम दवा प्रति वर्गमीटर के हिसाब से भूमि में मिलावें । रोपाई के समय 10 कि.ग्रा. कार्बोफ्यूरान 3 जी दवा प्रति एकड भूमि में मिलायें । रोपाई के समय पौधो को फास्फोमिडॉन 40 एस.एल.दवा 1 मिली प्रति लीटर पानी के घोल में आधा घंटा डुबोकर फिर रोपाई करें ।

चूर्णिल आसिता :- इसे भभूतिया रोग के नाम से भी जाना जाता है यह रोग फफूंदी द्वारा उत्पन्न होकर पत्तियों पर सफेद चूर्णी धब्बे बनाता है । जिससे पत्तियॉ पीली पड़ कर पौधा कमजोर और उत्पादन भी कम हो जाता है ।

नियंत्रण उपाय:- केराथेन अथवा सल्फेक्स 1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी के घोल का 15 दिन के अंतराल पर छिड़काव करे ।

श्यामव्रण:- यह रोग भी फंफूदी द्वारा उत्पन्न होता है इससे पत्तियों पर छोटे काले धब्बे बन जाते है । जिससे पत्तियॉ झड़ने लगती है ।

नियंत्रण के उपाय:- इसके नियंत्रण हेतू मैंकोजेब या जिनेब दवा 2 ग्राम प्रति लीटर पानी के घोल का 15 दिन के अंतराल पर 2 से 3 छिडकाव करें ।

पर्णकुंचन व मौजेक:- ये दोनों रोग विषाणुओं द्वारा उत्पन्न होते है ।

नियंत्रण के उपाय:- रोगग्रसित पौधों को उखाड़कर नष्ट करें। रोग को फैलने से रोकने हेतु डाइमिथाएट 30 ई.सी. दवा 1 मिली प्रति लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें । खेत में रोपाई के 10–12 दिन बाद मिथाइल डिमेटान 25 ई.सी. दवा 1 मिली प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें ।

माननीय कुलपति द्वारा मक्का प्रदर्शन का अवलोकन

बेबीकार्न एवं उसकी खेती को समझें

बेबीकार्न छिलका सहित अंगुलीनुमा आकार के मक्के का एक अनिषेचित भुट्टा है, जिसमें दो से तीन सेंटीमीटर तक सिल्क (बाल) निकले रहते है । इसे आमतौर पर बाल निकलने के 1–3 दिन के अंदर पौधे से तोड लिया जाता है । इसे कच्चा भी खाया जा सकता है तथा आहार में विभिन्न रूपों में सम्मिलित भी किया जा सकता है जैसे सलाद, चटनी, सब्जी, अचार, खीर, चाइनीज, भोजन इत्यादि । इसमें प्रोटीन, विटामिन तथा लौह के अतिरिक्त, यह फास्फोरस का एक अच्छा स्त्रोत है ।

उपयुक्त किस्में :- संकर किस्म एच.एम. –4 एवं प्रकाश एकल कॉस संकर का चयन करें ।

बीज दर:- शुद्ध एवं स्वस्थ्य बीज 9–10 कि.ग्रा/एकड़ पर्याप्त होता है ।

बीजोपचार :- टरसिकम लीफ ब्लाइट, बैंडेड लीफ तथा शीथ ब्लाईट, मेडिस लीफ ब्लाईट, ब्राउन स्ट्रिप एवं डाउनी मिल्डयू आदि बीमारियों के लिए बाविस्टीन + कैप्टान 1–1 ग्राम / कि.ग्रा. बीज की दर से उपचारित करने के बाद जैव उर्वरक मिलाकर बुवाई करें।

दीमक तथा प्ररोह मक्खी :- फिनोप्रोनिल दवा 4 मिली / कि.ग्रा. बीज की दर से उपचारित करें ।

उर्वरक प्रबंधन :- मृदा परीक्षण के आधार पर पोषकों का प्रयोग करें

संरक्षक	-	डॉ. एम.पी. पाण्डेय, कुलपति इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर (छ.ग.)
मार्गदर्शक	-	डॉ. आर. बी. एस. सेंगर, निदेशक विस्तार सेवायें, इं.गा. कृ.वि.
प्रेरणा स्त्रोत	-	डॉ. यू. एस. गौतम, निदेशक, आई.सी.ए.आर. जोन ७ जबलपुर, डॉ. एस.एस. राव, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, जगदलपुर
प्रकाशक	-	डॉ. एस. सी. मुखर्जी, कार्यक्रम समन्वयक, के.वी.के. बस्तर
संपादक	-	डॉ. बी. एस. किरार, सह-सम्पादक-डॉ. एस.सी. यादव
सहायक सम्पादक	-	सुश्री रत्ना नशीने, डॉ. बी.एस. असाटी आर. एस. राजपूत, ए.के. सोनपाकर

इंदिरा किसान मितान

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय

कृषि विज्ञान केन्द्र, जगदलपुर, बस्तर - 494005(छ.ग.)

वर्ष-2, अंक- 9 | त्रैमासिक पत्रिका | अप्रैल से जून 2010

केन्द्र की उपलब्धियाँ

डॉ. किरार को भूमि निर्माण अवार्ड एवं जंयतिगिरी को प्रगतिशील महिला कृषक अवार्ड

मान. डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया, कृषि मंत्री, म.प्र. शासन, मान.श्री चंद्रशेखर साहू, कृषि मंत्री, छ.ग. शासन एवं माननीय कुलपति डॉ. एम. पी. पांडे इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर की उपस्थिति में डॉ. बी.एस. किरार,एस.एम.एस (कृषि विस्तार) को कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट लेखन एवं श्रीमती जंयतिगिरी पटेल, महिला कृषक गांव–मसोरा, वि.ख. कोंडागांव को प्रगतिशील महिला अवार्ड राष्ट्रीय कृषि समाचार पत्र भूमि निर्माण – भोपाल द्वारा 18 जून 2010 को इं.गा.कृ.वि.वि., रायपुर के सभागार में प्रदाय किया गया।

ईस्माइल खाँ को मिर्च उत्पादन हेतु प्रगतिशील कृषक अवार्ड

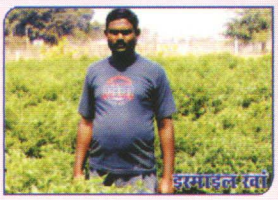

माननीय विधान सभा अध्यक्ष श्री धरमलाल कौशिक छ.ग. शासन माननीय कुलपति डॉ. एम.पी.पांडे, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर की उपस्थिति में कृषक ईस्माइल खां को प्रगतिशील कृषक अवार्ड "कृषक समृद्वि" संस्था रायपुर द्वारा 10 जून 2010 को विश्वविद्यालय के सभागार रायपुर में प्रदाय किया गया ।

सोनूराम को प्रगतिशील कृषक अवार्ड

सोनूराम सोढ़ी गाँव–जरेबेंदरी, ग्राम पंचायत बोलबोला वि.ख. कोंडागांव को संकर धान, मक्का, एवं सब्जी की उन्नत खेती के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने हेतु प्रगतिशील कृषक अवार्ड "कृषक समृद्वि" संस्था रायपुर द्वारा 10 जून 2010 को विश्वविद्यालय के सभागार से प्रदाय किया गया।

आदिवासी महिला रैवारी को प्रगतिशील कृषक अवार्ड

आदिवासी महिला कृषक श्रीमती रैवारी, ग्राम कोंडालूर विकासखंड तोकापाल मक्का, एवं सब्जी की उन्नत खेती के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने हेतु प्रगतिशील महिला कृषक अवार्ड "कृषक समृद्वि" संस्था रायपुर द्वारा 10 जून 2010 का विश्वविद्यालय रायपुर के सभागार में प्रदाय किया गया ।

दयावती को प्रगतिशील कृषक अवार्ड

श्रीमती दयावती आदिवासी महिला कृषक, गाँव सिंघनपुर वि.ख. तोकापाल को प्रगतिशील महिला कृषक अवार्ड कृषक समृद्धि संस्था रायपुर द्वारा 10 जून 2010 को इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के सभागार में प्रदाय किया गया ।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन

दिनाँक 17–18 मई 2010 को आंचलिक कार्यालय भवन जोन 7 जबलपुर (म.प्र.) के उद्घाटन अवसर पर जोन 7 के द्वारा बस्तर एवं अन्य के.वी.के. द्वारा प्रदर्शनी लगायी गयी। इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. एस. अय्यप्पन, सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग तथा महानिदेशक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, डॉ. के.डी. कोकाटे, उप महानिदेशक (कृषि विस्तार) डॉ.जी. कल्लू, कुलपति ज.न.कृ.वि.वि. जबलपुर, डॉ. यू.एस. गौतम, जोनल प्रोजेक्ट डायरेक्टर जोन 7, जबलपुर, डॉ. आर.बी. एस. सेंगर निदेशक विस्तार सेवायें इं.गां.कृ.वि.वि. रायपुर डॉ. एस.सी. मुखर्जी कार्यक्रम समन्वयक, डॉ.बी.एस. किरार वैज्ञानिक से मक्का फसल एवं विस्तार गतिविधियों पर चर्चा करते हुए।

चतुर्थ वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक

कृषि विज्ञान केंद्र, जगदलपुर बस्तर में मान. कुलपति डॉ. एम.पी. पांडे, इं.गां. कृ.वि.वि., रायपुर के निर्देशन में 1 मई 2010 को निदेशक विस्तार सेवायें, डॉ. आर.बी..एस.सेंगर, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर एवं डॉ. ए.के. त्रिपाठी विशेष कर्त्तव्यस्थ अधिकारी (पी. आईएम.ए.) की उपस्थिति में चतुर्थ वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक संपन्न हुयी।

इस बैठक में वैज्ञानिक सलाहकर के समिति के सदस्य अधिष्ठाता, डॉ.एस.एस. राव, श्री जी.के.निर्माम, संयुक्त संचालक कृषि, डॉ. कावडे संयुक्त संचालक पशु, डॉ. आर.एन. गांगुली, प्रोफेसर, रायपुर, एन.एल.पांडे, भूपेन्द्र पांडे, एस.के. नाग, के. मोहन राव, श्रीवास्तव, दूरदर्शन एवं आकाशवाणी सदस्य, जी.एस.ठाकुर एवं कृषक इस्माइल खाँ, श्रीमती दयावती, सोनूराम, श्रीमती सुकली आदि, डॉ. एस.सी.मुखर्जी, कार्यक्रम समन्वयक एवं वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

संरक्षक
डॉ. एम.पी.पाण्डेय
कुलपति
इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

मार्गदर्शक
डॉ. आर.बी.एस. सेंगर
निदेशक विस्तार सेवायें,
इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

प्रेरणा स्त्रोत
डॉ. यू.एस. गौतम
निदेशक आंचलिक ईकाइ जोन 7 (ICAR) जबलपुर
डॉ. एस.एस.राव
अधिष्ठाता, कृषि महा. एवं अनु. केन्द्र, जगदलपुर

प्रकाशक
डॉ. एस.सी. मुखर्जी
कार्यक्रम समन्वयक, के.वी.के. बस्तर

संपादक
डॉ. बी.एस.किरार
सह-सम्पादक-डॉ. एस.सी. यादव

सहायक सम्पादक
सुश्री रत्ना नशीने, डॉ.बी.एस. असाटी
आर.एस.राजपूत, ए.के. सोनपाकर

इंदिरा किसान मितान

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
कृषि विज्ञान केन्द्र, जगदलपुर, बस्तर - 494005(छ.ग.)

वर्ष-2, अंक- 10 | त्रैमासिक पत्रिका | जुलाई से सितम्बर 2010

संकर धान से अधिक उत्पादन लेने के प्रमुख सूत्र

प्रमुख किस्में - संकर इंदिरा, (अवधि 125-130) के अलावा लम्बे दाने इसके अलावा 115-135 दिन में तैयार होने वाली प्रोएग्रो. 6444, 6129 महिको.504 डीआरएच-1, पंत संकर धान 1 आदि किस्मों का प्रयोग। जिनसे लगभग 6-7 टन प्रति हेक्टेयर तक उपज प्राप्त की जा सकती है।

नर्सरी डालने से पूर्व बीज को बाविस्टीन 3 ग्राम/कि.ग्रा. बीज की दर से बीजोपचार कर बुवाई करें।

एक हेक्टेयर में रोपाई के लिए 700-800 वर्गमीटर की पौध शाला प्रर्याप्त होती है प्रति हेक्टेयर15-18 किग्रा. बीज की बुवाई जून में करें। नर्सरी में जल निकास की समुचित व्यवस्था रखें और आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें।

रोपाई कार्य 18-21 दिन की नर्सरी की होने पर करें। रोपाई में पंक्ति से पंक्ति तथा पौधे-पौधे की दूरी क्रमश: 20 व 15 से.मी. रखना चाहिए। एक स्थान पर1-2 पौधे ही लगाना चाहिए। अच्छी उपज के लिए प्रति वर्ग मीटर 250-300 बालियाँ अवश्य होनी चाहिए।

भूमि परीक्षण के आधार पर उर्वरक की मात्रा 150:60:60 कि.ग्रा. क्रमश: नत्रजन, स्फुर व पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें। नत्रजन की 40% मात्रा एवं फास्फोरस व पोटाश की सम्पूर्ण मात्रा रोपाई के पूर्व देवें। शेष नत्रजन 25% मात्रा कंसे फूटते समय एवं 25% पी.आई अवस्था में तथा शेष बची हुई 10% मात्रा फूल आने के तुरंत बाद देवें। जिंक की कमी होने पर 25 कि.ग्रा./हेक्टेयर उपयोग करें।

जैविक खाद में उपलब्ध पोषक तत्वों की मात्रा

खाद	नत्रजन (प्रतिशत)	स्फुर (प्रतिशत)	पोटाश (प्रतिशत)
गोबर खाद (FYM)	0.50	0.20	0.50
वर्मी कम्पोस्ट (गोबर से)	0.80	0.50	0.60
वर्मी कम्पोस्ट (गोबर एवं दलहनी फसल के पत्तों से)	1.20	0.60	1.20
नाडेप कम्पोस्ट	1.00	0.60	1.50
नीम की खली	5.0	1.00	1.50
हरी खाद	2.50	0.50	1.50

क्षमता विकास हेतु प्रयास

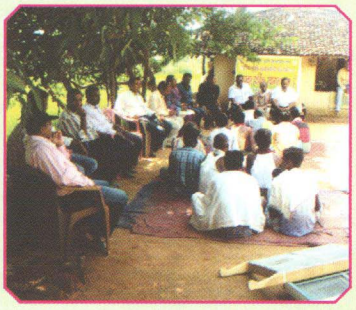

संरक्षक
डॉ. एम.पी.पाण्डेय
कुलपति
इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

मार्गदर्शक
डॉ. जे.एस. उरकुरकर
निदेशक विस्तार सेवायें,
इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

प्रेरणा स्त्रोत
डॉ. यू.एस. गौतम
निदेशक आंचलिक ईकाइ जोन 7 जबलपुर
डॉ. एस.एस.राव
अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, जगदलपुर

प्रकाशक
डॉ. एस.सी. मुखर्जी
कार्यक्रम समन्वयक,
कृषि विज्ञान केन्द्र, बस्तर

संपादक
डॉ. बी.एस.किरार
सह-सम्पादक-डॉ. एस.सी. यादव

सहायक सम्पादक
सुश्री रत्ना नशीने, डॉ.बी.एस. असाटी
आर.एस.राजपूत, ए.के. सोनपाकर

इंदिरा किसान मितान

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
कृषि विज्ञान केन्द्र, जगदलपुर, बस्तर - 494005(छ.ग.)

वर्ष-2, अंक- 11 | त्रैमासिक पत्रिका | अक्टूबर से दिसम्बर 2010

माननीय राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटिल द्वारा कमल किशोर कश्यप का सम्मान

कृषि विज्ञान केन्द्रों की 5 वीं राष्ट्रीय कार्यशाला एम.पी.यू.ए.टी. उदयपुर (राज.) में श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल माननीय राष्ट्रपति भारत सरकार के कर कमलों द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र के चयनित कृषक कमल किशोर कश्यप ग्राम बड़े चकवा वि.ख. बस्तर को दिनाँक 22 से 24 दिसम्बर 2010 को स्वयं के द्वारा निर्मित बुआई यंत्र के नवोन्मेषी हेतु सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. एस. अय्यपन, महानिदेशक एवं सचिव भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली डॉ. जे.एस. उरकरकर निदेशक, डॉ. एस.सी. मुखर्जी एवं डॉ. एस.सी. यादव उपस्थित थे।

राष्ट्रीय कार्यशाला में मा. राज्यपाल श्री पाटिल द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन

के.वी.के. की 5 वीं राष्ट्रीय कार्यशाला एम.पी.यू.ए.टी. उदयपुर (राज.) दिनांक 22-24.12.2010 इंदिरा गांधी कृषि विश्व विद्यालय, रायपुर के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा किये जा रहे कार्यों को प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया गया। जिसका अवलोकन श्री शिवराज सिंह पाटिल मा. राज्यपाल राजस्थान शासन, डॉ. एस. अय्यपन, महानिदेशक डॉ. के.डी. कोकाटे उप महानिदेशक (कृषि प्रसार) आई.सी.ए.आर. नई दिल्ली। डॉ. जे.एस. उककुरकर, निदेशक डॉ. यू.एस. गौतम, निदेशक आदि को डॉ.एस.सी. मुखर्जी एवं डॉ.एस.सी. यादव द्वारा अवलोकन कराया।

मैसूर में नवोन्मेषी कृषक भुनेश्वर एवं कमल किशोर का सम्मान

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र मैसूर (सुतूर)कर्नाटक में 22-23 नवम्बर 2010 में नवोन्मेषी कृषक सम्मेलन में कृषि विज्ञान केन्द्र जगदलपुर के द्वे नवोन्मेषी कृषक भुनेश्वर निषाद ग्राम कुम्हरावण्ड एवं कमल किशोर कश्यप ग्राम बड़े चकवा का स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कुलपति डॉ. एम.पी. पाण्डेय द्वारा मक्का प्रदर्शन का अवलोकन

डॉ. एम.पी. पाण्डेय कुलपति इंदिरा गांधी कृषि विश्व विद्यालय रायपुर की अध्यक्षता में दिनाँक 14.10.2010 को ग्राम बड़े बेंदरी में मक्का फसल पर कृषक दिवस का आयोजन किया गया। कुलपति ने मक्का प्रदर्शन एवं नेप परियोजना के कार्यों का अवलोकन किया इस कार्यक्रम में डॉ. एस.के. पाटिल संचालक अनुसंधान सेवाएं, डॉ.ए.के. त्रिपाठी, प्राध्यापक, डॉ. एस.एस. राव अधिष्ठाता डॉ. एस.सी. मुखर्जी, रत्ना नशीने, डॉ. किरार, डॉ. असाटी, डॉ. यादव,आर.एस. राजपूत, एक.के. सोनपाकर एवं 110 कृषक उपस्थित थे।

मंत्री महोदया द्वारा राष्ट्रीय कृषि नवोन्मेषी परियोजना से 39 सिंचाई पम्प कृषकों वितरण

सुश्री लता उसेंडी, माननीय महिला एवं बालविकास मंत्री छ.ग. शासन के करकमलों द्वारा किसान दिवस (दिनाँक 02.12.2010) में ग्राम बोलबोला वि.ख. कोण्डागांव में राष्ट्रीय कृषि नवोन्मेषी परियोजना के अंतर्गत सिंचाई क्षेत्रफल बढ़ाने के उद्देश्य से 39 डीज़ल/ विद्युत पम्प नि:शुल्क कृषकों को प्रदाय किये गये। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्री प्रेम सिंह नाग, श्री लुभा सिंह नाग, सरपंचा श्रीमती सुकड़ी बाई, अधिष्ठाता डॉ. एस.एस. राव, डॉ. एस.सी. मुखर्जी, रत्ना नशीने, डॉ. एस.सी. यादव, आर.एस. राजपूत एवं अन्य 460 कृषक उपस्थित थे। इस परियोजना के मुख्य अन्वेनषक डॉ. एस.के. पाटिल संचालक अनुसंधान सेवाएं इंदिरा गांधी कृषि विज्ञान केन्द्र रायपुर है।

नवरात्री में पदयात्री सेवा सदन में के.वी.के. द्वारा प्रदर्शनी का आयोजन

श्री बलीराम कश्यप
सांसद बस्तर,
श्री केदार कश्यप
पी.एच.ई मंत्री, छ.ग. शासन
श्री बैदूराम कश्यप,
विधायक, चित्रकोट

श्री मनोहर सिंह परस्ते
कलेक्टर, बस्तर
डॉ. एस.सी. मुखर्जी
कार्यक्रम समन्वयक
श्री घनश्याम जांगड़े
सी.ई.ओ., बास्तानार

संरक्षक
डॉ. एम.पी.पाण्डेय
कुलपति
इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

मार्गदर्शक
डॉ. जे.एस. उरकुरकर
निदेशक विस्तार सेवायें,
इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

प्रेरणा स्त्रोत
डॉ. यू.एस. गौतम
निदेशक आंचलिक ईकाइ जोन 7 जबलपुर
डॉ. एस.एस.राव
अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, जगदलपुर

प्रकाशक
डॉ. एस.सी. मुखर्जी
कार्यक्रम समन्वयक,
कृषि विज्ञान केन्द्र, बस्तर

संपादक
डॉ. बी.एस.किरार
सह-सम्पादक-डॉ. एस.सी. यादव

सहायक सम्पादक
सुश्री रत्ना नशीने, डॉ.बी.एस. असाटी
आर.एस.राजपूत, ए.के. सोनपाकर